नमक की ढुलाई के लिये व्यापारियों को माल डिब्बों का नियतन

7484. **श्री बलराज मधोक :** क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में फालोदी से तैयार किये गये नमक की ढुलाई के लिये व्यापारियों को माल डिब्बे नियत नहीं किये जाते हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि दो अथवा तीन महीनों के बाद एक बार माल डिब्बे दिये जाते हैं ;

(ग) क्या यह भी सच है कि इस सम्बन्ध में सरकार को कोई शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं;

(घ) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार उनके लिये दैनिक कोटा नियत करने का है; और

(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मन्त्री (श्री चे० मु० पुनाचा) : (क) जी, नहीं ।

(ख) जी नहीं । इस स्टेशन पर नमक के लदान के लिए माल-डिब्बों की सप्लाई बहुत कुछ नियमित है । लेकिन, कभी-कभी कार्यक्रम से बाहर नमक के लदान के लिए माल-डिब्बों की सप्लाई में देर हो सकती है । इस प्रकार के नमक के संचलन को, अन्य माल के साथ, निम्नतम अग्रता दी जाती है क्योंकि जिस नमक की निकासी का कार्यक्रम नमक आयुक्त द्वारा निर्धारित किया जाता है, उसे उच्चतर अग्रता प्राप्त है और उसके भेजने पर तरजीह दी जाती है ।

(ग) जी, हाँ ।

(घ) और (ङ). फालोदी से नमक के संचलन के लिए नमक आयुक्त ने कार्यक्रम निर्धारित कर रखा है और उसके लिए प्रतिदिन 10 माल डिब्बों का कोटा नियत है । चूंकि कार्यक्रम से बाहर नमक की निकासी अन्य सामान्य माल यातायात के साथ, उसके रजिस्ट्रेशन की तारीख और निर्धारित अग्रता के अनुसार, करनी होती है, अतः इसके लिए अलग कोटा निर्धारित नहीं किया जा सकता । कार्यक्रम से बाहर नमक के लदान के लिए यथासम्भव माल डिब्बे देने की भरसक कोशिश की जाती है । जनवरी से मार्च, 1968 तक की अवधि में फालोदी से कार्यक्रम से बाहर नमक के मीटर लाइन के 1165 माल डिब्बे लादे गये जबकि 1967 में इसी अवधि में मीटर लाइन के केवल 482 डिब्बे लादे गये थे ।

Self-sufficiency in Paper

7485. SHRI S. K. TAPURIAH :
SHRI M. AMERSEY :
SHRI LOBO PRABHU :
SHRI MEETHA LAL MEENA:

Will the Minister of INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether the country is self-sufficient in paper ;

(b) if not, the justification for subsidised exports ; and

(c) how the internal prices of paper compare with world prices ?

THE MINISTER OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND COMPANY AFFAIRS (SHRI F. A. AHMED) : (a) The country is self-sufficient in almost all the common varieties of paper.

(b) Does not arise.

(c) The internal prices of indigenous paper of common varieties compare favourably with the international prices.

National Coal Development Corporation

7486. SHRI S. K. TAPURIAH :
SHRI MEETHA LAL MEENA:

Will the Minister of STEEL, MINES AND METALS be pleased to state :

(a) the loss incurred by the National Coal Development Corporation and Singareni Mines during the last year and the anticipated loss this year ;

(b) whether Government are aware that